हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम की स्तुति हो।

आज हम एक अत्यन्त महत्वपूर्ण आत्मिक सत्य को सीखें: बातों को गहराई से परखना कितना आवश्यक है, क्योंकि यदि हम आत्मिक बातों की जाँच नहीं करते, तो हम उस सामर्थ्य को नहीं पहचान पाएँगे जो परमेश्वर पर्दे के पीछे कार्य कर रहा है।

बहुत-से लोग जो जीवन में आशीषित हैं, यह नहीं जानते कि उनकी सफलता के पीछे प्रायः दूसरों की प्रार्थनाएँ होती हैं — ऐसे लोग जो बिना बताये उनके लिये मध्यस्थता करते हैं। इसलिये जब आप उन्नति करते हैं, तो गहराई से सोचें। घमण्ड करने में शीघ्रता न करें, और यह न समझें कि आप केवल “भाग्यशाली” हैं। आपकी उन्नति का बहुत भाग किसी के मध्यस्थ प्रार्थना का फल हो सकता है।

इसे समझने के लिये, हम काना-ए-गलील के विवाह की कहानी को फिर से देखें, जहाँ प्रभु यीशु ने अपना पहला चमत्कार किया — पानी को दाखरस में बदल दिया।

धर्मशास्त्र बताता है कि जब यीशु ने पानी को दाखरस में बदला, तब भोज का प्रधान, जो सब मेहमानों को परोसने का उत्तरदायी था, न जान सका कि यह दाखरस कहाँ से आया। उसने सोचा कि दूल्हे ने और दाखरस मँगवा लिया है। वह गया और उसने उसे बधाई दी, यह सोचकर कि दूल्हे ने एक बहुत अच्छा निर्णय लिया है।

दूल्हा स्वयं भी इस प्रशंसा से चकित हुआ, क्योंकि उसने ऐसा कुछ नहीं किया था। सम्भव है कि उसने भी यही सोचा हो कि किसी ने परिवार को लज्जा से बचाने के लिये दाखरस खरीद लिया। क्योंकि विवाह-भोज में, विशेषकर महत्वपूर्ण अतिथियों के आने से पहले दाखरस का समाप्त हो जाना बहुत बड़ी लज्जा की बात थी।

केवल कुछ ही लोग इस रहस्य को जानते थे: यह चमत्कार यीशु की ओर से हुआ था, और वही उत्सव को लज्जा से बचाने वाला था।

यूहन्ना 2:1–10
“तीसरे दिन गलील के काना में एक विवाह हुआ, और यीशु की माता वहाँ थी। यीशु और उसके चेले भी उस विवाह में बुलाए गए थे। जब दाखरस समाप्त हो गया, तो यीशु की माता ने उससे कहा, ‘उनके पास दाखरस नहीं रहा।’ यीशु ने उससे कहा, ‘हे नारी, मुझ से तुझे क्या काम? मेरा समय अभी नहीं आया।’ उसकी माता ने सेवकों से कहा, ‘जो कुछ वह तुम से कहे वही करना।’ वहाँ छह पत्थर के पानी के घड़े रखे थे… यीशु ने उनसे कहा, ‘इन घड़ों में पानी भर दो।’ फिर उसने उनसे कहा, ‘अब निकालकर भोज के प्रधान के पास ले जाओ।’ जब भोज के प्रधान ने उस पानी को चख लिया जो दाखरस बन गया था… तब उसने दूल्हे को बुलाकर कहा, ‘तू ने अच्छा दाखरस अब तक रख छोड़ा है!’”

हर आशीष के पीछे प्रायः कोई

प्रार्थना-योद्धा होता है

उस चमत्कार के पीछे एक प्रार्थना करने वाली मध्यस्थ थी — मरियम। उसने समस्या को देखा, प्रभु के पास पहुँची, और उस परिवार के लिये विनती की। वही चमत्कार की पहली कड़ी थी।

यदि मरियम ने हस्तक्षेप न किया होता, तो वह विवाह लज्जा में समाप्त हो जाता, यद्यपि यीशु स्वयं उस कमरे में शारीरिक रूप से उपस्थित था।

इसी प्रकार आज भी, जब आपके जीवन में कोई भलाई होती है और आप लज्जा से बच जाते हैं, तो गहराई से विचार करें। आप भाग्यशाली नहीं हैं। आप केवल अपनी बुद्धि या सामर्थ के कारण ही आशीषित नहीं हैं। किसी ने आपके लिये प्रार्थना की है।

यहाँ तक कि जब मसीह आपके जीवन में हैं, तब भी यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है कि कोई आपके लिये मध्यस्थता करे — जैसे काना के विवाह में हुआ। यीशु वहाँ उपस्थित था, फिर भी उसने तब तक कार्य नहीं किया जब तक मध्यस्थ आगे नहीं आई।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

आज आप जिन अनेक आशीषों का आनन्द लेते हैं — सफलताएँ, सुरक्षा, खुले द्वार — वे किसी के द्वारा की गयी प्रार्थनाओं के फल हैं, चाहे आप उन्हें जानते हों या नहीं।

आपकी सफलता किसी और की प्रार्थनाओं की

फसल हो सकती है

कभी-कभी जब कोई बच्चा सफल होता है, तो वह केवल उसकी बुद्धि का फल नहीं होता, बल्कि माता-पिता की प्रार्थनाओं का परिणाम होता है।

जब कोई युवक या युवती सफल होती है, तो वह अदृश्य परिश्रम भाई-बहनों, सम्बन्धियों या विश्वासियों का हो सकता है, जो रात-रात भर जागकर उनके लिये प्रार्थना करते हैं।

और जब आप आत्मिक रूप से बढ़ते हैं या अपनी बुलाहट में स्थिर रहते हैं, तो हो सकता है आपके आत्मिक अगुवे आपके लिये आँसुओं के साथ परमेश्वर के सामने आपका नाम रखते हों।

इब्रानियों 13:17
“अपने अगुओं की आज्ञा मानो और उनके अधीन रहो, क्योंकि वे

तुम्हारे प्राणों के लिये पहरा देते हैं, और उन्हें लेखा
देना होगा…”

यदि आप इस सत्य को समझ लेंगे, तो आप सदा नम्र, कृतज्ञ और समझदार बने रहेंगे। आप उनके सम्मान करना सीखेंगे जो आपके लिये प्रार्थना करते हैं, और दूसरों के लिये भी प्रार्थना करने का समय निकालेंगे।

यदि भोज के प्रधान और दूल्हे को यह ज्ञात होता कि मरियम ने उनके लिये क्या किया — कैसे उसने यीशु के सामने मध्यस्थता की — तो वे अत्यन्त चकित और विनम्र हो जाते।

यदि आप जान लेते कि लोग प्रार्थना में परमेश्वर से आपके विषय में क्या-क्या कहते हैं, तो आप पहले जैसे नहीं रहेंगे।

आपके परिवार में शान्ति
आपके समाज में शान्ति
आपके राष्ट्र में शान्ति

— ये सब प्रायः परमेश्वर के विश्वासयोग्य सेवकों की प्रार्थनाओं का फल हैं, जो दिन-रात पुकारते रहते हैं।

कुछ लोग आपके कारण प्रार्थना में पहरा देते हैं

उनके बिना संसार पहले ही अराजकता में डूब चुका होता।

2 थिस्सलुनीकियों 2:7
“क्योंकि अधर्म का भेद तो अब भी काम कर रहा है; केवल वह जो अब
रोक रहा है, रोकता रहेगा, जब तक वह बीच में से न उठा लिया जाए।”

नम्र बनो — और अपने जीवन के

मध्यस्थों के लिये परमेश्वर का

धन्यवाद करो

प्रभु आपको आशीष दे।
कृपया इस सन्देश को दूसरों के साथ बाँटें।

यदि आपको प्रार्थना, सलाह, या किसी प्रश्न की आवश्यकता हो, तो निस्संकोच सम्पर्क करें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP

कुछ लोग आपके कारण प्रार्थना में पहरा देते हैं

GROUP….

Share on:
WhatsApp